मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विकास, सुशासन व जन कल्याण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जन कल्याण आदि क्षेत्रों में नई ऊँचाईयों की ओर तेजी से अग्रसर है।**

नई दिल्ली/जयपुर, 1 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग विकसित राजस्थान के संकल्प को निरंतर शक्ति प्रदान करता है।

जल जीवन मिशन के एक आरोपी को सशर्त जमानत

- **हाई कोर्ट ने अरूण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी व चार आरोपियों की याचिका को खारिज किया।**

जयपुर, 1 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन के टेंडरों से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे चार आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। वही, अदालत ने एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड के तत्कालीन सचिव शुभांशु दीक्षित, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार तत्कालीन मुख्य लेखाधिकारी एवं वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा तथा तत्कालीन मुख्य अभियंता स्पेशल प्रोजेक्ट्स दिनेश गोयल की जमानत याचिकाओं पर दिए। अदालत ने 27 मई को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य थे और पूरी प्रक्रिया में उनकी भूमिका रही है। निविदाओं के संबंध में गंभीर शिकायतें मिलने के बावजूद प्रक्रिया को जानबूझकर आगे बढ़ाया गया, जिससे प्रथम दृष्टया गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप प्रमाणित होते हैं। एसीबी की ओर से सात टेंडरों की जांच कर अदालत में करीब 16 हजार प्रष्ठों का आरोप पत्र पेश किया है, जबकि कुल 104 टेंडरों की जांच होनी है। ऐसे में जांच के इस चरण पर आरोपियों को जमानत देना न्यायोचित नहीं होगा।

वहीं, अदालत ने मामले के सह आरोपी तत्कालीन चीफ इंजीनियर अरुण श्रीवास्तव को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वास्थ्य के आधार पर सशर्त जमानत प्रदान की है। अदालत ने आदेश दिया है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा, साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा, अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपेगा तथा ट्रायल कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसकी आयु 58 वर्ष से अधिक है और वह लंबे समय से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है।

ईडी ने 145 करोड़ रु. के गबन में कोटक महिन्द्रा बैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया

पंचकुला की विशेष अदालत ने सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को 9 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा

- **ईडी की जांच में सामने आया कि पुष्पेन्द्र दो अन्य के साथ मिल कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर नगर निगम के नाम के दो बैंक खाते खोले।**

नई दिल्ली, 01 जून । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों पर नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था।

ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा, रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

ओमान से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, ओमान इस मामले में अपवाद रहा। ओमान से भारत का आयात 246.4 प्रतिशत बढ़कर, 43 करोड़ डॉलर से लगभग 1.5 अरब डॉलर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण कच्चे तेल और यूरिया की खरीद में वृद्धि रही। वहीं, ओमान को भारत का निर्यात केवल 10.3 प्रतिशत ही घटा। उन्होंने कहा, "इस अनुभव से साबित होता है कि जब होर्मुज़ स्ट्रेट जोखिमपूर्ण या अत्यधिक व्यस्त हो जाता है, तब ओमान भारत के लिए व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक भरोसेमंद वैकल्पिक मार्ग बन सकता है।" हालांकि भारत के 80 प्रतिशत से अधिक निर्यात पहले से ही ओमान में औसतन 5 प्रतिशत के कम शुल्क पर प्रवेश पा रहे थे, लेकिन कुछ उत्पादों पर शुल्क 100 प्रतिशत तक पहुंच जाता था। श्रीवास्तव ने कहा, "इन शुल्कों के समाप्त होने से ओमान के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि ओमान की अपेक्षाकृत छोटी आबादी और सीमित बाजार के कारण निर्यात में वृद्धि की गति पर कुछ हद तक अंकुश लगना स्वाभाविक है। ओमान की आबादी लगभग 55 लाख है और उसका सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) लगभग 110 अरब डॉलर है।

सात नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानकों, समय-सीमा, यातायात अनुमानों, वित्तीय मॉडलों तथा संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

दिल्ली-आगरा हाई स्पीड रेल लाइन के संबंध में, मथुरा के लिए राया शहरी केन्द्र के निकट इटौली गांव के पास तथा आगरा में (एतमादपुर मदरा के निकट) स्टेशन की जगह तय कर ली गई है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया, "भूमि की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्टेशनों के आसपास एकीकृत टाउनशिप विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चर्चा जारी है।" बताया जाता है कि निगम ने 2021 की मूल डी.पी.आर. को अपडेट करने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें अपडेटेड सर्वेक्षण, लागत ओर अलाइनमैंट शामिल किए गए हैं।

पिछले कई दशकों में अनेक हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। वर्ष 2007-08 के रेल बजट में कुल 2548 किलोमीटर लंबाई वाली पांच हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

अगले वर्ष 991 किलोमीटर लंबा दिल्ली-पटना मार्ग भी इस सूची में शामिल किया गया था। वर्ष 2012-13 के रेल बजट में दिल्ली-जयपुर-अजमेर-जोधपुर मार्ग को जोड़ा गया, जबकि मुंबई-अहमदाबाद लाइन को 2013-14 में शामिल किया गया। हालांकि, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना को छोड़कर अन्य अधिकांश परियोजनाएं लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी भाजपा के राष्ट्रीय संगठक नियुक्त

भाजपा ने यह नया पद वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या व सुझाव सुनने के लिए बनाया है

- **नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी अभी बिहार व झारखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे थे।**

नई दिल्ली, 01 जून । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एव केन्द्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्त में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केन्द्र दिल्ली होगा।

भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहल वे बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जिले के निवासी नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में की थी। नगर प्रचारक, जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद, उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भेज दिया गया था।

इसके बाद उनको उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश महामंत्री संगठन बनाया गया था।

अब भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। राज्यसभा में उसका एकमात्र प्रतिनिधित्व भी समाप्त होने की आशंका है, क्योंकि उसके सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी के पास केवल 12 विधायकों का समर्थन है, जबकि एक सीट जीतने के लिए 46 विधायकों का समर्थन आवश्यक है।

झारखंड में कांग्रेस की उम्मीदें सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर टिकी हैं। यहां दो सीटों के लिए चुनाव होना है, जिनमें एक सीट शिबू सोरेन के निधन के बाद रिक्त हुई है। कांग्रेस को उम्मीद है कि झामुमो इनमें से एक सीट उसके लिए छोड़ेगा। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी कर दी गई, जिसके साथ चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है।

इस चरण में 24 सीटों पर सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, जिनमें 11 सीटें भाजपा और तीन सीटें उसके सहयोगी दलों के पास हैं।

इसके अलावा, तीन सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। इनमें एक सीट पहले सुनेत्रा पवार के पास थी, जिन्होंने बारामती विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ओडिशा के सांसद देबाशीष सामंत्रे द्वारा बीजेडी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद रिक्त हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाएगा।

भाजपा जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिटा सुब्रमण्यम मोहन।

नीट पेपर लीक के तीन आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

- **इस मामले में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं।**

नई दिल्ली, 01 जून । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 15 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीनों की सीबीआई हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी पुणे में फिजिक्स के टीचर तेजस हर्षदकुमार शाह और मनीषा संजय हवलदार को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान अर्जित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से गहरा दु:ख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारी सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान बनाया। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदना।

हरिद्वार में राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस पलटी, महिला की मौत

हरिद्वार, 01 जून। उत्तराखंड की धर्मनगरी हरिद्वार में कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने सोमवार सुबह राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस एक डंपर की टक्कर के बाद सड़क पर पलट गई। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजस्थान के नागौर जिले के श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान के बाद तीन बसों में सवार होकर अपने गृह जनपद लौट रहे थे। श्रद्धालु भूपतवाला स्थित घांची धर्मशाला में ठहरे हुए थे। बताया गया कि राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस सुबह करीब 7:15 बजे धर्मशाला से निकलकर सर्विस लेन के रास्ते हाईवे पर हरिद्वार की ओर मुड़ रही थी। इसी दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने श्रीराम पंजाबी ढाबे के पास देहरादून की ओर से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बस के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी।

'प्रक्रिया एक माध्यम है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समीर जैन की एकलपीठ ने आदेश दिया है कि, एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे।

उल्लेखनीय है कि अदालत के समक्ष तीनों डिस्कॉम की ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बार-बार आर्बिट्रेशन में अदालत का दखल देना सही नहीं है। कमर्शियल कोर्ट ने दो बार समयावधि गलत तरीके से बढ़ाई है, दूसरी बार आर्बिट्रेशन का एक्सटेंशन नियमों के विपरीत है, इसमें कोई उचित कारण भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि, एचसीएल की ओर से ही अधिवक्ता बार-बार समयावधि बढ़वाते हैं।

दूसरी ओर कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता शैलेश कपूर और लोकेश आत्रे ने अदालत को बताया कि, अभी तक आर्बिट्रेशन में 162 बार सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के वकीलों को स्पष्ट नहीं था कि उन्हें मामले में कैसे पैरवी करनी है, इसलिए वह बार-बार समय बढ़वाते थे। चूंकि यह मामला 47 जगहों पर 528 करोड़ रुपए के अलग-अलग अनुबंधों को पूर्ण करने का है, इसलिए इसका रिकॉर्ड 50-60 हजार दस्तावेजों व फाइलों, 22 गवाहों के बयानों और पूछताछ से संबंधित है। अगर यह मामला हाईकोर्ट में आता तो 47 अलग-अलग प्रकरण होते, जिनके अलग-अलग ही मुकदमे दायर होते।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा कि "भले ही कोविड के चलते पहला एक्सटेंशन (समयावधि बढ़ाना) जायज हो, लेकिन दूसरी बार आर्बिट्रेशन का समय बढ़ाते समय कमर्शियल कोर्ट ने कोई वाजिब कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा कि कमर्शियल कोर्ट को यह भी देखना चाहिए था कि, उनके द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश की भी ढंग से पालना नहीं हुई।

अदालत ने यह भी टिप्पणी कि आर्बिट्रेटर (मध्यस्थता कर रहे रिटायर्ड जज) प्रकरण की हर दिन अथवा सप्ताह में सुनवाई करते, लेकिन उन्होंने अपनी सुनवाई की तारीखों में 1 से 5 माह तक अंतराल रखा। आर्बिट्रेटर की लेटतीफी और ढुलमुल रवैये के कारण आर्बिट्रेशन का उद्देश्य ही समाप्त हो गया।" इसे देखते हुए अदालत ने आर्बिट्रेशन फीस के अतिरिक्त 10 प्रतिशत खर्च को घटाकर 5 फीसदी किया है। साथ ही कहा है कि बचे हुए पैसे दोनों पक्षों को अवार्ड पारित करने के बाद वापस लौटाए जाए।

जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा होगा, उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी: राहुल गांधी

पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि टिकट बाँटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर/पुष्कर । कांग्रेस नेता एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को अजमेर के निकट पुष्कर में आयोजित नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी और स्वागत कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने की। बताया जा रहा है कि चिंतन शिविर में सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी आने का कार्यक्रम था, परंतु किसी कारण से उनका कार्यक्रम रद्द हो गया।

पुष्कर के निकट तिलोरा स्थित रिसॉर्ट में राजस्थान के 50 और दिल्ली के 15 जिलाध्यक्षों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने साफ कहा कि आगामी चुनावों में टिकट बांटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी अहम होगी। जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी।

उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की जोड़ी को "जय-वीरू" की जोड़ी जैसी बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जोड़ी लंबी चलेगी।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुष्कर में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

- **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिन्तन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।**

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के साथ ही सभी जिलाध्यक्षों की बात सुनी और उनके प्रश्नों का जवाब भी दिया। जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। ताइक्वांडो के सैशन में उन्होंने बॉक्सिंग का उदाहरण देते हुए भी जिलाध्यक्षों से कहा कि सभी को पॉलिटिक्स में भी डिफेंड करना बहुत जरूरी है।

चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिंतन शिविर आयोजित किए जा रहे है। राहुल गांधी की सोच है कि जिलाध्यक्षों को एक नए रूप में देखा जाए। आने वाले दिनों में पार्टी को कैसे और ज्यादा मजबूत किया जाए। किन राज्यों, क्षेत्रों में हम और मजबूत हो सकते हैं, नए लोगों को जोड़ा जाए, ऐसे तमाम मुद्दों पर आज चर्चा की गई। इस तरीके के शिविर से पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा मिलती है। शिविर में आज सार्थक और खुले दिल से चर्चा हुई है।

उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी द्वारा की गई तारीफ पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि "राहुल गांधी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण सांगठन सम्बन्धी ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

टीएमसी महासचिव अभिषेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दस्तावेज़ पर किये गये हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। राज्य सीआईडी ने जब दो अन्य विधायकों से पूछताछ की तो उन्होंने भी अपने हस्ताक्षर होने से इनकार किया है।

शिकायत करने वाले दोनों विधायकों को बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के लगभग 30 नवनिर्वाचित विधायकों ने दक्षिण कोलकाता के विवांता होटल में पार्टी नेतृत्व की अवहेलना करते हुए एक बैठक की। अब पार्टी के विधायी दल की फूट पूरी तरह से सामने आ गई है, क्योंकि दो विधायकों ने सीधे विधानसभा अध्यक्ष के पास जाकर आरोप लगाया है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षर बनाए हैं। अब तक तीन विधायक कह चुके हैं कि उनके हस्ताक्षर जाली बनाए गए और उन्होंने उस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उनके बयान सीआईडी द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग में दर्ज किए जा चुके हैं। यदि जालसाजी का आरोप साबित हो जाता है, तो यह एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध होगा, जिसमें सात वर्ष तक की सजा हो सकती है। ममता बनर्जी ने हाल ही में चुने गए विधायकों की बैठक अपने घर पर बुलाई थी। लेकिन इस बैठक में केवल लगभग 20 विधायक ही पहुंचे, जबकि 50 से अधिक विधायक नहीं आए। इससे यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी के सदस्य धीरे-धीरे पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी की अवहेलना कर रहे हैं।

राज्य सीआईडी ने जालसाजी मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर सुबह की पूछताछ में शामिल होने से इनकार कर दिया। बाद में शाम को सीआईडी अधिकारी जांच आगे बढ़ाने के लिए उनके घर पहुंचे। अब कुछ कानूनी विशेषज्ञ सुझाव दे रहे हैं कि नई सरकार को यह भी जांच करनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्ताक्षर कितने प्रामाणिक और वास्तविक हैं।

ब्लूटूथ से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व तुलछाराम के भतीजे पोरव कालेर ने भी समान बिंदुओं पर अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन अदालत ने उसे भी अंतरिम जमानत नही दी थी।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908